

अ
२
३
४

विदुवनतुम्भप्रकवीना २ विनिरुवनतवना २ ग्वनप्रसादरुलिंगना २ काकाभ २
कहिनीथीसुप्रनवात्रा २ ग्यकादि २ गनारावमूरा २ २ जनामनदा २ यवभनमाव
यह्यमात्रगगनसंहा ॥ ५ ॥ नागहनेवि ॥ नालइर्जमान ॥ ॥ कलगाचे
नविधियक्षायहानाः २ जयामिकदवगता २ विविधियउयहाननृगीरवनः २ दमन
यक्षधनिसमंगला २ उं वज्रमगादकमधु ॥ किनिसमहावकुलावकमृदयनृपं २
ग २ रागसुनरिथीलवमिमहाकालः २ सुप्रतिष्ठितवज्रस्वाहा २ कनकनृधमनिन
कनरिहयथ २ यक्षपल्लवउय २ गहिना २ यक्ष २ मृगवक्षनकनः २ परा २ यधियः २ यक्ष

२ दि

अ
२
३
४

हिनि ॥ धादक २ नाजा २ मृक २ इवाक २ पुनसहिनाः २ वजा २ मार्यामकुलासाः २ राकिनीना
त्माखपुनाहा २ यिनि २ वीजवी २ ग्वनसंयका २ सगुनवन २ काकलगाचेनं २ मृरिमः
कुसुवरुलदा २ उमृहा २ नमः २ २ पुमृखपुमपुलाकाजः २ नलाकनसंदगा ॥ ५ ॥
नागवसंकललिता ॥ नालइर्जमान ॥ ॥ कंरुनिनराजनयं २ कंरुनसंहाः २ कंकाज
नवीजमृत्पन्ना २ निवासिमहाकाजः २ रुवमामकिसुनसुन्दनिः २ नवजीवन २ नमा
मिथीदवीवा २ निलक्ष्मी २ वज्रमृरु २ खर्यामृरु २ गादक २ मालिदयदसंयइनिनिमासत
रिहः २ मकमृखहितनायन २ मृरावर्क्ष २ मृरादगावा २ मृरुनिता २ दक २ कनवानसतः

॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

कपदिकियकनशागंकगसर्वत्रधजगजघरखवनदकपथमसर्वशत्रुपदंष्ट्रजः
रुक्कधनवजवधखदांगकमधुनरडिगुलमज्जनवजवानगनयनिरुदनकगार्ह
नर॥ कंरुहाकीरुकात्रहननवर्हउक्तमृगाकात्रहावयकिशकवकनृगानयकपा
मज्जवात्रनिःपत्रमाशवज्जुः तथाध्यायक॥ ५ ॥ नागमधूमरु॥ कालरुप॥ ॥
नीलवर्णवात्रीदवीः वज्रिकुलकशिकाः लावकमयलरुषिमाशनमानिशद
वीथीमामकिसमानमेः रुकिं प्रजिनास्वस्ववीजाक्रनेसत्यन्ताः नवजीवनसूत्रसूत्र
नीशयककममरुयः किनसूत्रपासनासूत्रननेः वदिकाशनमवदुहपयिगत्रय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मन्त्रनसिद्धिममद्विसिद्धि॥ ५ ॥ नागमधूमरु॥ कालइर्जमान॥ ॥ पितृव
रुमासकिदवीविश्वव्यापिः ममरुपाननृपमाननीदवीशनवजीवनहेलावकसूत्रसूत्र
नीः स्वस्ववीजाक्रनसमस्यन्ताश्चक्रिकुलकशिलावकमयलाः लक्रगणउचिरुषिमाशन
नमामिथीवात्रीदवीसूत्रधत्रीः पूजयामिमनावांकिनाशनगुनवत्रयषगमासिरु
क्याशननरुनसिद्धिसंपद॥ ५ ॥ नागनारक॥ कालइर्जमान॥ ॥ नरुवर्हन
तडियनायनसूदनीः मसादगरुज्जुलननुकिनरा॥ ५ ॥ दुष्कदवीवात्रीमान
कीदवी॥ जगत्पमादित्रनयनसूत्रांग॥ ५ ॥ नागमवदपूजानववानशनजागध

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नमदिक्तायुत्रयदरग॥ ५ ॥ यंचवद्वस्त्रयसुश्रुतसहस्रगणिनीलेयाहृन्व
 नुहृन्व॥ ५ ॥ गङ्गायुत्रयनाथगिलंगनधनियारुनयिवाकवज्रसुननसुन
 य॥ ५ ॥ नागकक्र॥ कालचक्रकान॥ ॥ हनिगवर्धुनिःडिनयनसुन्दरीन
 वजोवनवावनगारा॥ ५ ॥ दुष्कदवीमामकिवात्रुदिदवी॥ मरुदगहृजाहृलन
 नुकिनरारयभृद्वस्त्रयपादुष्कगागिदीग्वनी॥ ५ ॥ हकात्रयहृनगवर्धुहाकान
 गंधनाग॥ कीकानवीरुहनामृमृनाकान॥ ५ ॥ गङ्गायुत्रयनाथगिलंगनधनियारु
 नयिसिद्धिवज्रचक्रिणी॥ ५ ॥ नागगन्धार्जुनवि॥ कालचक्र॥ ॥ अकदह

नमस्तुतानस्त्रययक्षमिणानस्यक्षगानिपुत्रिया॥ ५ ॥ दुष्कदव वनिनायापि
 हृवस्त्रि॥ वीनमलापकसमयाज्ञानन्द॥ ५ ॥ वीनवीनचनसमयाज्ञानन्द॥ २क
 नकमलासनहृदयाज्ञानन्द॥ ५ ॥ यक्षद्वयंयक्षस्त्रयय॥ दवास्त्रननत्रयमा
 दिरुहृदया॥ ५ ॥ उं॥ अ॥ इं॥ की॥ खं॥ मा॥ धनकनिरु॥ उमत्रययक्षनिवित्रमाज्ञानन्द
 ॥ ५ ॥ नागनाटक॥ कालचक्रकान॥ ॥ हानुमद्युलमारुमामकिदवी॥ मालि
 कालिदयिनाययिहृन्व॥ ५ ॥ नमामि॥ यी॥ मामकिदवीदिरुवननाथ॥ संपर्क
 ममरुदुमृजगहवसान॥ ५ ॥ नकवर्धुवहृमृलपिनिनावनःविश्वकृतिगमृह

चतुर्भुजः ॥ ५ ॥ अकिनिनामाखुनाहात्रपिनी चतुर्द्वीकीदकिविनासा ॥ ५ ॥
 रुषिकवटमूडाकुडीसंदीनम्वनःरुनयिन्नयमवज्जामकिदासा ॥ ५ ॥
 सुप्रसिद्धानारकनाग ॥ एकतल्लिनाल ॥ ॥ डिदत्रसनात्रहदिनकत्रमधन ॥
 किरुडिरुवनजननि २ नगरवर्ध ॥ उत्रकिनियनःमानवहुनगदाकुन्दनि ॥ ५ ॥
 दविकनकिपात्तधना ॥ ५ ॥ रुषिकनत्रगिलमाला २ कमलकुलिसुइयितात्र ॥
 बाजयिनांनयिसहजसुत्रपिनी ॥ ५ ॥ चकिसिलक ॥ रुकिलक ॥ रुकिलकसाहा
 २हाथलाचक्रकहिंयाउमखला वनरायापुत्ररुखनी ॥ ५ ॥ रुनयदयातनरुजव

नक ॥ अहिनिहातकनाया २ हावाहावविदकिमन्नरुनमगदसुत्रपिनी ॥ ५ ॥ यइ
 मयवज्जपदगिलंगरुधत्रिणागावकिहासकुलिग २ मन्नरुनसिद्धिमाद्रुपदायत्रीप्रद
 मामिथीवज्जगिनी ॥ ५ ॥ नागकद्र ॥ नात्तमाथ ॥ रुयवाकलिद्वीनृवद्वीच
 नरासयत्रसुनासुनवन्दिरुवनरा ॥ ५ ॥ रुहुरुगवतियाइकमन्नमहिमछिग
 नायननृद्यरुनकाना हाजरुनमरुननविहविहनापुत्रघट्टउलावा पिनिशडि
 नयनुनयनातनाका ॥ ॥ गिनेसिन्धुनवात्रिकर्जनयना कन्नुनिकर्पनरु
 नयिनाम्बना ॥ ५ ॥ कनकिपात्तधनिमेघुमालारुषिकः रुकिलरुगकया

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नमो भगवते ॥ ५ ॥ रुतपि सुनरुवजवा कलियासः श्रीवजया गिनी वनदप्रसादः ॥
५ ॥ यमजलिनाग ॥ माथकाल ॥ ॥ मधुलसमयवक्रमधुलसंपर्क ॥
बादगुरुजवउवात्तवयम ॥ जानकु कन ॥ य ॥ सम्वयगिनी ॥ श्रीयंवकला
दवीप्रवतावनिया ॥ जाकिनीनामाखद्य ॥ हाय ॥ यनी ॥ वावीमानवउवापिया ॥
२ कायवाकविहृषितिरुवने ॥ दानपयिया ॥ गुरुवतायदी ॥ यागयागिनीस
मनसहाव ॥ २ प्रहममनयीहृवना ॥ ५ ॥ गन्धवमानगिनाग ॥ इज्जमा
नकाल ॥ ॥ जटादधानकुरुमिदुम ॥ कायायवास ॥ कुरुदहयु ॥ ॥ सं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

यागयगुरुकनयमडा ॥ गन्धवनागकधिरुगयशी ॥ ॥ नमो इज्जमाकाव
द्यप्रवधव ॥ सकुपिसत्तुउवावदवना ॥ कनाइ ॥ कनाकगइ ॥ ॥ यवनस
गंधिदिदहधव ॥ सप्रदससाहियंकावनवना ॥ ॥ इद्वनातिगनजागध
न ॥ वज्रघटसडाप्रयमनृति ॥ ५ ॥ मायाविदहनिनजगु ॥ साहियंवजसत्त
यममयन ॥ ५ ॥ मधुमरुनाग ॥ इज्जमानकाल ॥ ॥ ज्ञानमनजक
नकाहृषेवि ॥ नगावसानः वरुनमृगा ॥ मृगधवि ॥ वृषजमनाप्रका ॥ म
थकनियंकधिरुमनिडे ॥ ॥ विवकनवविगागिमधुलसा ॥ विमिया

卷之四

खदागाः करं वृत्तगतं निवासिनिगा ॥ तव रुच्यं नृणां ॥ गाजन इह ॥ रूकि प्रग
 ५॥ मन्त्रुज सिद्धिम् ॥ रुचिः सतगुज वज्रदं प्रसाद ॥ गाजनदा मिड इह ॥ ख रुच्यं दीद वि
 ॥ ५ ॥ कजादिनाग ॥ घटकेकाजगात् ॥ ॥ मन्त्रनिहितवानजाह नृत्त र्वस
 ५॥ किनत्तामाजसंजागाः जागद्वयमाह वधिजपागदिरुचनमात्तमन्त्रवत्तवीना ॥ ५
 ॥ नमामि श्री गुरुभक्तानां वनजातमृण्णुनिहृदिगा ॥ विग्ननाथा विग्ननापिग्वीन
 विकसह ॥ मन्त्रजातमृण्णुनिहृदिगा ॥ ॥ मन्त्रिरीयनाउग्रपवडा इह
 लाया विद्युत्तकिनगा विद्युत्तमन्त्रककननयना ये विस्जगात्तावद्गगनना ॥ ५

卷之五

माधवमायापुत्रदत्रवक्ता नृदपिगवायाधुवनका समप्रसन्नायागविमोहाः
 ग्यानत्रागसंसादिनदहा ॥ नत्ताह्वनाप्रभादिनमोति कयूननायत्र
 ननरुतकावा सुवनननागावन्दितवनदा जायसुप्रभवप्रभववीना ॥ ५ ॥
 विरुसत्राग ॥ माथनाल ॥ ॥ नाहिमधुलमाष्टउरुनरुविना ॥ ससमससह
 जसमानगता ॥ ५ ॥ ॥ दवीधीकुमसिकउर्दगता रगगदागिखलमाष्टलीनगता
 ॥ ५ ॥ ॥ दहिनकनगिलगपाप्रभ्रिना ॥ रामखदागध्रुजभ्रिना ॥ ५ ॥ ॥ सवः
 कालमुखमालाशसिना ॥ ननगिलमालाविरुषिना ॥ ५ ॥ ॥ गवकिह्वनरुवज्जइ

नृदपिगवा

गिहिरिना ॥ जवम ॥ रुयययिस्यविना ॥ ५ ॥ ॥ हेनवीनाग ॥ जकिनाल ॥ ॥ प
 र्ददिगांचनयत्रागमभ्रन ॥ दवीध्रुकायनीहंसासनी ॥ हेनवसहाकालगदायकिह
 मात्रावीनक्रुदपालयक्रयक्रवी ॥ पूजियात्रममम्रलिवलिनृधिनाचावधियागि
 तीमाहृगदा नृदह्वनधीम्रुमगभनरुप्रनयिगचगदा ॥ ५ ॥ ॥ उरुनदिगा
 चनहालांकलमगभन दवीनृदायनीद्वेवाहनी ॥ ५ ॥ ॥ म्रुनकादाकिलिंकि
 लमगभन दवीकोमात्रिमयूनासनी ॥ ५ ॥ ॥ नेमम्रकादालकीवर्हमगभन
 दवीधेह्वीगत्रजसनी ॥ ५ ॥ ॥ दक्षिदिगांचनधानाभ्रकमगभन दवीवाना

नृदपिगवा

हिमहिवासनी॥ ॐ ॥ यश्चिमादिभवनमहसहस्रगगन॥ दवीञ्ज्यायनीगज
 बाहनी॥ ॐ ॥ वायव्यकादिभवनमहसहस्रगगन॥ दवीचामजप्रभासनी॥ ॐ ॥
 ॐ गगनकादिभवनमहसहस्रगगन॥ दविमहालक्ष्मीसिंहासनी॥ ॐ ॥ यनरति
 पूजा॥ ॥ गन्धनरुहेनवीनाग॥ जतिमाला॥ ॥ नीलंजनन-नृविहीयनवी
 नमूर्ति-काकागनृपवनवडक॥ ॥ उग्रकनागायेकलालनख॥ कपालीपीरुज
 वसकलमाहकागनानाथ॥ ॥ ॐ काङ्करुद्रकखासामंडविगघउचाजन
 पूजापूजितपूजासंख्य-कलसूत्रपहवकुन॥ खरवखाहियात्रमममलिवलिरजा

न घघघादयश्चिप्रहय पंचामिराजसयंचसहजिन-पञ्चखानसर्ववल्लिना॥ स
 र्वयक्रनाक्रस-रुद्रपतपिगनगनामृपसमाज॥ ॥ जकजकिनीइरिगृ
 मगगम॥ दंबसिगृद्रुद्रकुन॥ सगयानककुमाकसिद्धि-सर्वसुखयदमातित्र
 रुजयेवजयेवरुजथयिवत्रः-विषयमाहकाहवकुन॥ ॥ दानयमिसर्वका
 र्यसिद्धि॥ मगानथसर्वसुखयदमातित्र॥ मगसमाजकथागकवन-साहायक
 लरुकुन॥ ॐ ॥ २० ॥ देहासनागमाथमाल॥ ॥ उदिनामलनयप्रवन
 अनाशवनसहजसककानसगगा॥ ॐ ॥ यानइरुद्रकयनिमादमिनाश्चखयनि

उदितारन

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पंजनमाक्रगता॥ ॥ दिनकरमवलम्बगता॥ सहसामृतनस्यवरुणा॥ ॥
दग्धात्रिभुविहयकुकिनिहवा॥ दवाह्नगनसवरुणा॥ ॐ ॥ गजकिपवनगुत्
रुगता॥ वज्रवाहाहिपुष्पयिगिन्नमिता॥ ॐ ॥ विष्णुसुता॥ मा० ता० ॥ ॥
ॐ ॐ ॐ दहधन॥ संसानदहधन॥ दहधनालिंगादहधन॥ हवजाकुम्भरुना॥ रंगरु
दह॥ ॥ सूनननवदिहववगवज॥ कस्मविहयनदहधन॥ रवावविमकुटवि
सहसा॥ पुष्पगुगता॥ कारियात्र॥ ॥ नमामि॥ श्रीहन्व॥ पुष्पगुगता॥ पृथि
यात्र॥ ॥ नागवउमिप्रि॥ सुकनाथनात्॥ ॥ आउताह्नसकिपात्र॥ न

नधनयिकता॥ त्रिभंरुसा॥ दियगायनमधियसमस्तम॥ सकटकगदिगं वना॥ रत्न
मात्रा॥ समनयाया॥ सहसुन्दरी॥ नात्रकाला॥ रहमविनाहि॥ वज्रवाहाहि॥ रजाम
हिमात्रकाला॥ रगा॥ लिपकाय॥ नवनसहमयन॥ कर्पूरहनयिगावाला॥ रगगयनीलाव
रुवदिप्रकला॥ रभनममुलरुवनीता॥ ॥ दियधनसहस्रग॥ कादि॥ रगा॥ संवन॥ प्र
पिगयिगुत्तरवतात्रा॥ ॥ हसविनाहि॥ मवज्रवाहाहि॥ पुष्पविहृदसहस्रधनाः
॥ ॥ गावदिलिलावज्ररुपिगावा॥ लिगन॥ रगा॥ गुत्तन॥ रगा॥ नाथ॥ ॥ समयावा
नदरुलि॥ रगा॥ ममुत्त॥ रगा॥ नवनवज्रवाहाहि॥ ॐ ॥ रगा॥ उगिनिगा॥ रगा॥ उककदिः

मयनमि पातन

नय ॥ मय श्री संवत्सराष्टका नदव हवजकाय विश्वरुलिया २ या गवा गिति मः
निया विश्वजनने २ समया मानदरुन कि हापी. सिंहनाद वाजिया अउमन उसाष्ट
२ मृष्टया गिनी दान पृथ २ जाले धन पूग मृवध वनयिया २ कर्षपा नरा रुन कि
हायि ॥ ॐ ॥ ॥ नागयमंजलि ॥ नालमाथ ॥ ॥ षट्का गिनी देवीः
शिरुवनवापिनी विप्रमान इष्टदय विनागनी ॥ तमा मि २ श्री वरुवा जाहि न
द्विसिद्धिदायनी जगतजननी ॥ ॐ ॥ पूर्वद नगरुन कवर्क्षी गी २ ॐ आभया
मिति देवी नीलवर्क्षी गी ॥ वायव्यमाहिनि दवि गी कवर्क्षी २ यश्चिममं चानिनि

पं नमः

द विरगे नवर्क्षी गी ॥ नेमृष्ट संजसिति हनि कवर्क्षी हा २ दक्षिणवधु का देवीः
क्रमवर्क्षी गि. चहुन उज्जयकानना पंचमृष्टारुनना स्वस्वी जसं हावन वनसदिगं
वना ॥ रुनयि वजाचार्य सिद्धि वजन प्रथमानि श्री वरुया गिनी चनरसा ॥ ॐ ॥
नागरु ववा ॥ नालरुप ॥ ॥ पंचरुथा गारु अत्रिया अ समया वार्य विश्वरुन व
ह २ दगदिगदगवल मानदरुवक दान पयिया विप्रनिनवान्नह ॥ ॐ ॥ ॥
रुनी नवी नम्रवलि दानदहा दान पतिया गुरु म्रवना न्नह ॥ ॐ कालवलि २
थापियात्र मधुलमान् विश्वरुन नया २ पूर्व येनावन दक्षिणतल सरुव यश्चिम २

नमो हस्तिनवापियात्र ॥ उरुनमो घसिदि नारु म्प्रापना लिमात्रवउयापि
 पात्र २ तमाधिपीसंव नमारु कालवक हवजविश्वरूपत्रह २ नानाकाधिसत्त्वमा
 गिर्गदस मधुलमात्रविश्वरूपत्रह ॥ सिंहनादवाजि वात्र उमत्रवाजं न म्प्राप
 गिनिमत्रिगृहियात्र २ जालंधविपका कर्षपाभा वपिया चातिनालवउचक्रथ
 पियात्र ॥ ५ ॥ ॥ वागकज्ञान ॥ कालवटककात्र ॥ ॥ मुहिरिभना
 उग्रयवला प्रियनमखरु जवनमा लक्ष २ ग्यालिंगननत्वा रनना वज्रय
 लधप्रिननगिलमाला ॥ ५ ॥ नमामिपीकुलाक विक्रया विश्वनाथविश्वः

वापिया २ वृद्धधर्मसंघपात्रि २ गिरानपादगनन लिमात्रात्रह म्प्रापनात्रि
 नाथविश्ववापि सादेक प्रिलापनकाधसत्त्वमा प्रातिमसदगकाधविच्रम
 हापा वगोप्रसक्तकथानासात्रसंस्तना विगोविकर्मयहृदिदित्रमा २ प्रपुया
 यधनामात्रासदहासर्वजोरविदुपा रसयना समवनात्रमनिवदहा वि
 ररुधमत्रयनसुनका कापिवासायिदुधमयका दृविस्तदहा निर्म
 न ररुधमत्रयनसुनका कापिवासायिदुधमयका दृविस्तदहा निर्म
 न ररुधमत्रयनसुनका कापिवासायिदुधमयका दृविस्तदहा निर्म
 न ररुधमत्रयनसुनका कापिवासायिदुधमयका दृविस्तदहा निर्म

नमो हस्तिनवापियात्र

यनागनी २ ऊगुयपिजात्रयं वइ १ खरु १ घ-मात्र निपुच्छन् नंगकनागः
 ती ॥ ५ ॥ कंकुधनमीमधुलापत्रिजविगमिमधुल-जात्यपादनमकश्वल
 वीना २ गतघनजिमून-नीलवर्धरुनिविप्रकाधमेलाकवीनः दहिनखड्ग
 उद्धविहलितं-जिमुवनकेपितस्रनमस्रन २ उतर्जनिजुजगकपाशंधनन
 इरीतइष्टानिवंधकनधं-मृतिपासनादितनोडहयंकनः जिनिभयनधः
 लाकगनराइष्टखजपहानसानवत्रदगदिगमात्रसंज्ञास्रवकनधं ॥ पंचन
 भगनस्रनधंमहनधंविघ्नविधंसनमृचनवीनं ॥ मृहिमधनादितममादि

वज्रउन्नगत्रयंरुतयिस्रनवजउन्नस्रमनधं ॥ ५ ॥ ॥ नागपंचम ॥
 गालमाथ ॥ ॥ कलितवजानलनविगमिकंविगडावयिउंकावनादत्र
 पी २ नृगारगधिरुवनलीनाप्रयिगयिजिनविन्दुयं २ पत्रमानंदमृनित्र
 यधमि २ काधधियपीमइवजा २ ॥ उंम्राकंकंककावत्रयं ॥ १ ॥ कलितग
 कमलसंज्ञागमननरुयवननवजस्रनागर २ यिमखवरुजत्रलमकटः
 मोलिकुगुगिताननदहिवा ॥ २ ॥ उंमधुलापत्रिवजयर्थक-कंकमात्र
 यतनप्रकलित २ वज्रखड्गगत्रदक्षिनकनधनी-वामध १ ॥ १ ॥ ॥ ३

[illegible]

॥ ॐ ॥ नागकथक ॥ गाल इर्जमान ॥ ॥ भ्रुवनिनिहितजान्निस्समदहा
ककत्रपितयनहिषवयन ॥ ॐ ॥ मन्नाकारनाकाङ्कङ्कङ्कागभ्रुवत्रकाधना
या२निविघ्नइमिहाहितमग्नपागखङ्कभ्रुविरुवविना ॥ ॐ ॥ विविधि
नल्लमोलिलङ्करदहाजगत्विवाङ्कितवलरुलदायका ॥ ॐ ॥ ॥ नागका
लपि ॥ गालभ्रुकसाथ ॥ ॥ कात्रयित्रयिउवागा२मृन्नित्रककागा२घनका
यिथिउवागा२कत्रयिथिअलिनागा ॥ ॐ ॥ मनयाङ्कङ्कङ्कङ्कयिगा२लिन्दिः
वाङ्कयिगा२वङ्कयिगा२रुहिनान्त्रकाङ्कयिगा२मयनागावयिगायिगा२हलिका

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

लिङ्गत्रयमालिङ्गत्रय २ इन्द्रवाक्ययियायिया २ वज्रसमकमुत्रिहिनाः कर्पूत्रवावनयि
यायिया २ नालियायि धूनसात्रिजल २ त्रिहिकात्रवाक्ययियायिया २ अवनक्रक
त्रकः सुहो सुहो नमनियायिया. नित्रसुहो नमनियायिया २ त्रिहिकात्रवावनयन
मामिया ॥ ॐ ॥ नागसधूमन ॥ तालजुरि ॥ ॥ इति रुद्रा नमनी चक्रसम
नमनाना रुद्रा जियायवमान मासा इति मध्यमा संज्ञा. पञ्चसात्रिसयमा सरुक्रक
॥ ॐ ॥ खखखाहि २ नम्रकदहनपंचामिया नम्रप्रिविना २ श्रीवज्रजगितिः
दाकिटी नामाखडुना हानयिनी पंचयागिनी २ रुद्रिसंवित्रमयमयुतकलसकिनि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

किनायमान ॥ दमनचयधनिप्रमादिरुवाजियात्रः दानपकिविघ्नविना सिना २ या
गिटी पञ्चमयकयत्रा रुद्रसुरुभा किप्रियात्र २ मात्रविना सतत्रक्र २ सयत्रा
हिमथसुखरुलमा रुद्रवु २ सर्वसिद्धिवाकजुहूजागना कना इति आकार्यसाः
कविहूसा २ पथमा इति रुलपानिसयत्राः नम्ररुद्रनसलमा रुद्रदाता ॥ ॐ
॥ ॥ नागविहूसा ॥ तालमाथ ॥ ॥ त्रिदलकमलवनकसमसयत्रा
मधुकनहृजाना २ श्रीविनूपा रुद्रवर्गमुखदवि. मण्मनपालसत्रिना ॥ ॐ ॥
नमामिनेनात्मा त्रिरुवनमाता ॥ वक्रलादवी श्रीमगुरुत्रि ॥ सयत्रसूत्रा सुनव

शुभ
शुभ

निरुचननः श्रुतगत्रिद्विसिद्धिवलप्रदाता॥ ५ ॥ नन्दनवनमिवनन्दनकत्र
वः श्रुतगकसुसयालिजातवनः २ निष्पगंगासमवागमतितीत्रः श्रुतगतीर्थसु
निर्मला॥ अष्टरुत्रवमृष्टयागिनीदवीः श्रुतगदवास्वप्रदपाल॥ अष्टमहा
यज्ञनिरुतित्रवान्नी २ श्रुतगविघ्ननित्रवान्नी॥ ५ ॥ विघ्नव्यापित्तान्नी
दवीः अष्टयतित्रजनमाहित्र्या २ अष्टिमकुसुखरुलदायनीदवीः जनम २ शुभ
सुननगता॥ ५ ॥ नागमालव॥ नालमाथ॥ ॥ एकवदनत्रमकटमा
लकृतावधुर्जखद्रपूककगत्रधनधानि॥ ५ ॥ नमामित्रीमंशुथीयमेन्द्रध्व

शुभ
शुभ

ना॥ सुयत्रमासाः पत्रिप्रनिरुधप्रिताः दहिनथीगनपतिः वामथीमहाकालः
सगद्यमसुलमाष्टः प्रहलिरुक्लिता॥ गृहिसंहाननायाविघ्नव्यापिताः अष्टमहा
हयवद्व्याधिइतिरुहना २ वज्रधनप्रभादित्रदासहनपियागुत्रप्रदमात्रसि
धिवनप्रभाद॥ ५ ॥ ॥ नागरुत्रव॥ नालवद्वंकाल॥ ॥ पूर्वदि
गस्तिरुवक्तायनीदवीः कनकवर्णगीः हंसासनी २ उदिच्यादिसिक्किरुद्राय २
नीदवीः चन्द्रसमदहावृषवाहनी २ अष्टमस्मानवित्रवित्रध्वनः नावयिसहजान
दत्र॥ ५ ॥ प्रदिच्यादिगिक्किरुद्रायनीदवीः कंकमवर्णगीः गजवाहिनि २

नमो भगवते वासुदेवाय

जाम्बादिसिद्धि तवा नाहि दवी वक्रिसमदहामहि वासनी २ अग्रयथीसिद्धिका
मानिदवी अग्रयसंहागी मयनासनी २ नेमग्रयथिसिद्धि तवे कवी दविहनिनवध
गि गनूजासनी वायव्ययथिसिद्धिका लिकादवि सूर्यसमदहा प्रतासनि २ ॐ
गानप्रतिष्ठितमहालक्ष्मी दवी कर्मवर्गगी सिंहासनी २ गतगुनवत्रयगिलंग
तथप्रिया भवतिसिद्धिवज्रवजाचार्यगीता ॥ ५ ॥ ॥ नागनाटक ॥ ताल
इर्जमान ॥ नमामि २ जिनधर्मभक्तुखयं २ प्रह्वननननधर्मभक्तुवागीश्वरं
॥ ५ ॥ नमामि २ जिनयं ३ जिननमास्तु २ दगहूमि द्वादिगदमहासुखनाया ॥ ५

नमो भगवते वासुदेवाय

सर्वमध्यपातालकुवनपीकापातत्र २ प्रवउनिवंगनमहामनिधवा ॥ ५ ॥
धर्मपीमिडहानपीमिड २ नपालमधुलमाष्ट सुनासत्रयि ॥ ५ ॥ वामकु
जयस्तकधनधनिदर्वकनसक्तिद्रावर्गसत्रधना ॥ ५ ॥ जीलाकधनमधुल
महासमत्रनाजा २ नाजाधिनाजनप्रनुमल्लदव ॥ ५ ॥ श्रीवजाचार्यवधूद
नाचार्य २ एतयिवाकवज्रयिनिनावनविना ॥ ५ ॥ ॥ नागयवम ॥
ताल ॥ ॥ कैलववंधूमधनसुसुल्लकजलवदनपीहवगराधन ॥ वि
विधिउपहारमविकसिलसामनावांकितः सिद्धिरुत्पसादा ॥ कनाकाकनाः

गुरुमहिम्न
महिम्न
महिम्न

का॥ ॐ ॥ ॥ नागहन्ताल॥ तालमूलमाथ॥ ॥ ॐ महिधनचुदि
गखलावा वागममिपलिमछिता॥ शुविमंगलककयमीनकलिसा॥ जलग
हिलदेवनिवासिता॥ नानाका२॥ ॐ ॥ नागहन्ताल॥ तालजति॥ ॥
मृदिसिद्धिगुरुसवासंपूर्ण॥ २॥ अयविधमनप्रिगुवनयापिता॥ नानाका३॥ ॥
नागनामकनि॥ तालजति॥ ॥ अखयनिलंजनमृदयमृनमयः गगनक
ननजम्बुविता॥ २॥ गुन्यताविनामिह नायथीविद्यादवि प्रायविरुसमजालिल
॥ ॐ ॥ नमामि विनालं ननखलावाः हठरुलसंकादिता॥ २॥ सलदचन्द्रसमः

नागनामकनि
महिम्न
महिम्न

मज्जकागिता जलजवन्दसमयापिता॥ २॥ नानन्दपनमानन्दविनस सहजचु
नालन्दजसम्भवा॥ २॥ पनमविनमाहः नकादिनमहागुरु सगनसंपदप्रापिता॥ २॥
वडगवागवनसाधिप्रचक्रवर्दिमन्मधुलसमयितलिताना॥ २॥ निर्मलहियाव
कुम्भापिह मृदिनिगिखचनजकुमयसाधना॥ २॥ हवजकालचक्रसम्भन
ककारिसिद्धिपात्रगता॥ २॥ श्रीहगगंदिनानर्पमित्रिजालथप्रचक्रमहासह
जानक॥ ॐ ॥ ॥ नागनाटक॥ तालजति॥ ॥ नमामि॥ श्रीव
जयागिनीकनूदीमधुलमारुचकलिनदहा॥ नोमिथीवजजामिदीनाहि

